STD: VIII - II Language - Hindi

PAGE:
DATE: / /

July Month Portions

Portions :

पाठ - कुरुक्षेत्र की कराह
कविता - आज की कुंडलियाँ
व्याकरण - संज्ञा एवं उसके विकार
- क्रिया, काल और वाच्य

पाठ 4 - कुरुक्षेत्र की कराह

I मौखिक प्रश्नोत्तर:

उ. क: अश्वत्थामा द्रौपदी के श्राप से अमरत्व के बोझ से दबा हुआ था। वह श्राप और अपने जीवन से मुक्ति चाहता था इसलिए वह व्यथित था।

उ. ख) महाकवि वेदव्यास ने देखा कि विराट कुरुक्षेत्र की सारी भूमि लाल हो चुकी है। उन्होंने देखा कि एक किसान हल चला रहा है और धरती से टूट गए अस्त्र बाहर निकल रहे हैं, साथ-ही साथ मानव हड्डियाँ भी निकल रही हैं।

उ: ग) माँ गंगा के आह्वान पर उपस्थित प्रमुख लोग हैं- युधिष्ठिर, भीम, दुर्योधन, विदुर, श्रीकृष्ण, शकुनि

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE: / /

आदि तथा द्रौपदी, कुंती, गांधारी, मर्यादा आदि।

उ. घ) दुर्योधन के नगर के व्यापारी उसे खुश करने के लिए युद्ध सामग्री बनाने के लिए खूब धन देते थे और उस धन को आम जनता से वसूलते थे। इस प्रकार दुर्योधन ने भ्रष्टाचार को जन्म दिया।

लिखित प्रश्नोत्तर:

उ क) वेदव्यास जी चाहते थे कि सब मिलकर युद्ध के कारणों और उसे टाले जा सकने वाली स्थितियों पर विचार करें। युद्ध के कारणों को खोजकर भावी पीढ़ियों को इस तरह की विभीषिका से बचने का संदेश दें।

ख) युद्ध के पश्चात चहुँ ओर अशांति और नैराश्य छा गया। शवदाह के लिए अनेक वृक्ष काट दिए गए। प्राकृतिक संतुलन भंग हो गया। जीवन की साधारण व्यवस्था का भी लोप हो गया।

Scanned with OKEN Scanner

उ. ग) मर्यादा ने कहा कि जब प्रायश्चित के लिए महाराज पांडु वन के लिए गए तो एक अयोग्य शासक के रूप में दृष्टिहीन धृतराष्ट्र को राजा बनाया गया। अगर उस समय मेरे पुत्र विदुर को राजा बनाया होता तो यह युद्ध नहीं होता। यह सुनकर पूरी सभा निरुत्तर हो गई।

उ. घ) श्रीगणेश ने कहा कि युद्ध सदा अनावश्यक ही होते हैं। मनुष्य अपने अभिमान की महिमा मंडित करने पर युद्ध होते हैं। हर मनुष्य के मस्तिष्क के अंधकार क्षेत्र का यथार्थ स्वरूप युद्धभूमि बन जाता है।

उ. ङ) मनुष्य अपनी भूल दोहराता रहेगा। श्रीगणेश ने युद्ध करने की भूल की बात कही है। हाँ, मनुष्य ने हमेशा इस भूल को दोहराया है। विभिन्न देशों के बीच हो रहे युद्ध इसी भूल का दोहराव हैं।

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए:

क) गुरु द्रोणाचार्य ख) अश्वत्थामा को

ग) वे दासीपुत्र थे

PAGE:
DATE: / /

भाषा - ज्ञान

1. क) रण, संग्राम ख) मृत्तिका, मृदा

ग) आहार, खाना घ) भागीरथी, सुरसरि

ङ.) दुश्मन, शत्रु च) आदमी, मानव

2) तत्सम - श्राप, पुत्र, सूर्य, चंद्र

तद्भव - शाप, पुत, सूरज, चाँद

3) भाववाचक संज्ञाएँ:

क) सफलता ख) वीरता ग) महानता

घ) मनुष्यता ङ.) सहभागिता च) योग्यता

छ) सभ्यता ज) तीव्रता

4) अर्जित, द्रोणाचार्य, दुर्योधन, मर्यादा, कर्ण, दोषपूर्ण

प्रपात, द्रोणाचार्य, द्रौपदी, सामग्री

द्यूतशब्द, शब्द

5) क) क्षमता, क्षोप ख) पुत्र, अस्त्र ग) अज्ञात, अज्ञान

घ) परिश्रम, श्रमिक

6) बूढ़ा व्यक्ति, कमज़ोर प्राणी, तीसरी मंजिल

धीरे-धीरे चलना, बहुत खाना, अचानक गिरना

Scanned with OKEN Scanner

पाठ - 8

PAGE:
DATE: / /

कविता - आज की कुंडलियाँ

I मौखिक प्रश्नोत्तर:

क) धूप कष्ट और दुखों का तथा छाया सुखों का प्रतीक है।

ख) मीठे वचन बोलने वाले लोग देश - विदेश में जाता बना पाते हैं। मीठा बोलने वालों को सब पसंद करते हैं और उनकी मदद करने, उनसे संबंध बढ़ाने में रुचि दिखाते हैं।

ग) मुश्किल कार्य के विषय में कवि कहते हैं कि किसी काम को कठिन मानने पर ही वह मुश्किल होता है। लेकिन अभ्यास करने से कठिन काम भी आसान हो जाते हैं।

घ) उचित नेतृत्व पाकर भीड़ ताकत बन जाती है।

लिखित प्रश्नोत्तर

क) कवि ने बताया है कि सोना और मनुष्य दोनों विपत्तियों को सहकर निखर जाते हैं।

ख) हँसना स्वास्थ्य का सबसे बड़ा मित्र है। हँसना महँगे भोज्य पदार्थों से अधिक फायदेमंद होता है

PAGE:
DATE: / /

इसलिए उसे सेहत के लिए लाभकारी माना गया है।

ग) अभ्यास और लगातार कोशिश करने से मूढ़ व्यक्ति ज्ञानी बनते हैं।

घ) एक-एक व्यक्ति मिलकर भीड़ बनाते हैं। उचित नेतृत्व पाकर भीड़ इतिहास रचती है। छोटी-छोटी वस्तुएँ मिलकर बड़ी वस्तुएँ बनाती हैं इस प्रकार कहा जा सकता है कि एकता में शक्ति होती है।

(ङ.) no need to copy in CW

च) के लिए, अति हितकारी मीत
कभी न करें मुकाबला, मधु मेवा
मेवा, नवनीत, दूध दधि कुछ भी
उपयुक्त, साथियों हँसे
कविराय, पास हँसमुख के बसना
रखो समय का ध्यान, कभी असमय

PAGE:
DATE: / /

पठित पद्यांश

क) तिनका - तिनका जोड़कर नीड़ बनता है।

ख) जब दीपक और बाती मिलते हैं तब जग को प्रकाश मिलता है।

ग) जिसका ध्येय सुंदर हो वह श्रेष्ठ विधान रचता है।

घ) उचित नेतृत्व पाकर भीड़ नया इतिहास रचती है।

सही विकल्प चुनकर लगाइए :

क) सोना ख) सभी ग) हँसमुख व्यक्ति के पास

भाषा - ज्ञान :

1. पर्यायवाची शब्द

ख) अग्नि, पावक ग) कनक स्वर्ण

घ) मित्र, सखा ङ) वतन, मुल्क

2. कीमती, परिश्रमी, नौकरी, पहाड़ी, अनुराग।

3. क) देशभक्ति, देशान्तर, स्वदेश, विदेश, देश प्रेम

ख) विज्ञान, ज्ञानी, अज्ञानी, ज्ञानेंद्रिय

ग) अपमान, अभिमान, सम्मान

Scanned with OKEN Scanner

घ) मिठास , मिठाई

4. ख) सहायक ग) संशय घ) दुर्गम

5. ख) स् + अ + म् + अ + य् + अ

ग) ध् + य् + आ + न् + अ

घ) न् + ड + त् + र् + अ + त् + व् + अ

6. ख) बनाना बनवाना

ग) मिलाना मिलवाना

घ) उठाना उठवाना

ङ) कराना करवाना

व्याकरण :

संज्ञा एवं उसके विकार

2. क) चिकित्सा ख) खटास ग) आपा

घ) घबराहट ङ) माँग च) लालिमा

छ) यौवन ज) मानवता झ) ऊँचाई ञ) समीपता

3. क) राम , हिमालय ख) टमाटर , घर

ग) खटास , मिठास

PAGE:
DATE: / /

4. क) ठकुराइन ख) ऊँटनी ग) नौकरानी

घ) बंदरिया ङ) गुणवती च) विदुषी

छ) शेरनी ज) बिल्ली झ) तपस्विनी

ञ) श्रीमती ट) पंडिताइन ठ) वधू ड) पात्रा

ढ) आयुष्मती

5) क) बालिका, नायिका

ख) लल्लाइन, पंडिताइन

ग) श्रीमती, आयुष्मती

घ) नेत्री, दात्री

ङ) बंदरिया, लुटिया

च) जेठानी, सेठानी

6) क) स्त्रीलिंग - यह मेरी कलम है।

ख) पुल्लिंग - हीरा बहुत महँगा है।

ग) स्त्रीलिंग - हिन्दी की लिपि देवनागरी है।

घ) स्त्रीलिंग - यह बेसन से बनी मिठाई है।

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE: / /

ङ.) स्त्रीलिंग - दीदी की चिट्ठी आई है।

च) पुल्लिंग - यहाँ का पानी खारा है।

7. क) दीवारें ख) नदियाँ ग) पगडंडियाँ घ) तस्वीरें

ङ.) मेज़ें च) बकरियाँ छ) कुर्सियाँ ज) सीढ़ियाँ

8. क) मोरों के पंख सुंदर होते हैं।

ख) ऋषिकेश में हमें एक साधु मिला।

ग) बच्चे बगीचे में खेल रहे थे।

घ) उसकी आँख में तिनका चला गया।

ङ.) छत पर पतंगें उड़ रही हैं।

च) इन पौधों को पानी दो।

छ) पत्रिकाओं में अच्छी जानकारियाँ होती हैं।

9. क) कारक ख) करण ग) कर्म और संप्रदान घ) संबंध कारक ङ) अधिकरण च) करण छ) कर्म ज संप्रदान

10. का, से, का, के, के, पर, का, को, की

11. ने, को, से, को-के लिए, से (अलग), का, के, की

PAGE:
DATE: / /

क्रिया काल और वाच्य

2. क) क्रिया ख) सहायक ग) सकर्मक घ) सकर्मक
ङ) सकर्मक

3. क) अकर्मक ख) अकर्मक ग) सकर्मक घ) सकर्मक
ङ) अकर्मक च) सकर्मक

4. क) अपनाना ख) मुटियाना ग) लँगड़ाना
घ) थरथराना ङ) थपथपाना च) भुलाना
छ) भुलाना ज) हँसियाना झ) बड़बड़ाना

5. क) चलाना चलवाना
ख) बनाना बनवाना
ग) डुबाना डुबवाना
घ) लगाना लगवाना
ङ) चढ़ाना चढ़वाना

6. क) मिला था - पूर्ण भूतकाल
ख) कर लिया था - पूर्ण भूतकाल

Scanned with OKEN Scanner

PAGE:
DATE: / /

ग) बना चुकी होगी - संदिग्ध भूतकाल

घ) जा रहे हैं - तत्कालिक वर्तमान काल

ङ) जाएँगे - सामान्य भविष्य काल

च) पहुँचे - सामान्य भूतकाल

7. क) सागर ने चित्र बना लिया है।

ख) सागर ने चित्र बनाया था।

ग) सागर चित्र बना रहा था।

घ) सागर चित्र बना चुका होगा।

8. क) कर्मवाच्य ख) कर्तवाच्य ग) कर्तवाच्य

घ) कर्मवाच्य ङ.) भाववाच्य च) कर्तवाच्य

छ) भाववाच्य ज) कर्तवाच्य

9. क) बच्चे के द्वारा दूध नहीं पिया जाता।

ख) नेताजी के द्वारा सड़क का उद्घाटन किया गया।

ग) प्रधानाचार्य के द्वारा परीक्षाफल घोषित किया गया।

Scanned with OKEN Scanner